Prabhat Khabar (Date: - 26/12/2019)

प्रकाश पर्व. सीएम ने दरबार साहिब में टेका मत्था, कंगन घाट टेंट सिटी की देखी व्यवस्था

दीवान हॉल को और भी सुंदर बनाएं : मुख्यमंत्री

प्रतिनिधि ▷ पटना/ पटना सिटी

गौरव की बात है कि गुरु महाराज का जन्म बिहार के पटना साहिब में हुआ है. देखिए, जो दीवान हॉल बन रहा है, वह और सुंदर बनवाइये. 350वें प्रकाश पर्व से जो अच्छी शुरुआत हुई है, वह बनी रहे. यह बात बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरु महाराज की जन्मस्थली तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में मत्था टेकने के बाद प्रबंधक कमेटी के पदधारकों व कार सेवा कर रहे यूके वाले संत बाबा भाई मोहिंदर सिंह के अनुयायी बाबा इंद्रजीत सिंह से कहीं. प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष अवतार सिंह हित, महासचिव महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन व सचिव महेंद्र सिंह छाबड़ा, जगजीवन सिंह से प्रकाश पर्व की तैयारियों को लेकर हुई बातचीत में कही. महासचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि चार माह के अंदर दीदारगंज कटरा बाजार समिति में बन रहे प्रकाश पुंज का कार्य पूर्ण हो जायेगा. निर्माणाधीन दीवान का हॉल निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री ने यह प्रस्ताव दिया. दरबार साहिब में मत्था टेकने के उपरांत मुख्यमंत्री को गुरुघर का आशीष सिरोपा तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रंजीत सिंह गौहर-ए-मस्कीन ने दिया. मुख्यमंत्री के साथ पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव, जल संसाधन मंत्री संजय झा, पटना नगर निगम की मेयर सीता साहु, मुख्यमंत्री के परामर्शी अंजनी कुमार सिंह, मुख्य सचिव दीपक कुमार, योजना आयोग के उपाध्यक्ष जीएस कंग, पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव रवि मनुभाई परमार, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव आनंद किशोर, मुख्यमंत्री के सचिव मनीष कुमार वर्मा, पटना प्रमंडल के आयुक्त संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, डीएम कुमार रवि, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक कंवल तनुज, वैशाली की डीएम उदिता सिंह, पटना नगर निगम के आयुक्त अमित कुमार पांडेय, एसएसपी पटना गरिमा मलिक और वैशाली के एसपी जगन्नाथ रेड्डी सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे.

चार माह के अंदर दीदारगंज कटरा बाजार समिति में बन रहे प्रकाश पुंज का कार्य हो जायेगा पूर्ण

कंगन घाट पर टेंट सिटी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार.

गुरुद्वारे में प्रार्थना करते सीएम नीतीश कुमार.

टेंट सिटी की सजावट देख बोले वाह

मुख्यमंत्री अधिकारियों के साथ सबसे पहले कंगन घाट स्थित टेंट सिटी पहुंचे. मुख्यमंत्री ने वहां हर एक स्थल का निरीक्षण कर निर्देश दिया. इसके साथ ही वहां के सजावट व निर्माण कार्य को देख कर कहा वाह. हालांकि निरीक्षण के दरम्यान मुख्यमंत्री ने मिली कमियों को दूर करने का निर्देश दिया. प्रकाश पर्व में शामिल होने के लिए पहुंच रही संगत की मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी लेने की होड़ भी मची रही.

गुरु की नगरी में जी आया नूं से अभिभूत हुई संगत

प्रकाश पर्व को लेकर की गयी सजावट.

पटना सिटी. जी आया नूं के संबोधन के साथ इ रिक्शा से टेंट सिटी पहुंचे सिख संगतों के जत्थों का जब स्वागत किया गया, तो वह अभिभूत हो उठे. गुरु महाराज की तस्वीर व सिख धर्म के पवित्र वस्तुओं की बनायी गयी टेंट सिटी के बाहर के दृश्य को देख संगत कुछ ज्यादा ही उत्साहित दिखी. बुधवार को कुछ इसी तरह का दृश्य था कंगन घाट टेंट सिटी का. टेंट सिटी में भ्रमण के लिए 15 इ रिक्शा का परिचालन कराया जा रहा है.

कंगनघाट पर टेंट सिटी का नजारा.

लंगर में की सेवा, चखा सैंडविच

कलगीधर दशमेश पिता साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व को लेकर बाललीला मैनी संगत गुरुद्वारा में विशेष लंगर की सेवा बुधवार से आरंभ हो गयी. जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री ने लंगर हाल में संगत के बीच प्रसादा (रोटी) का वितरण कर किया. इसके बाद मुख्यमंत्री ने प्रसाद का वितरण किया. मुख्यमंत्री व पथ निर्माण मंत्री अधिकारियों के साथ बाल लीला गुरुद्वारा पहुंचे तो वहां दरबार साहिब में मत्था टेका, जहां पर बाबा सुखबिंदर सिंह सुख्खा व बाबा गुरबिंदर सिंह ने गुरुघर का आशीष सिरोपा व तलवार भेंट की. दरबार साहिब से निकल कर मुख्यमंत्री लंगर हाल पहुंचे, जहां पर प्रसाद का वितरण किया. इसके बाद मुख्यमंत्री अतिथि कक्ष में बैठ कर सैंडविच व काजू बरफी. फिर कॉफी का स्वाद लेकर चर्चा की.

लंगर में प्रसादा परोसते सीएम.

28 व 29 को राजगीर में रहेंगे सीएम

पटना सिटी. राजगीर में स्थित शीतल कुंड गुरुद्वारा में आयोजित हो रहे प्रकाश पर्व में शामिल होने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 28 को राजगीर पहुंचेंगे. प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष ने बताया कि 28 दिसंबर को वहां भी गुरु नानक देव जी महाराज के जीवन दर्शन पर भारतीय संस्कृति में पांच तत्व पर आधारित नाटक का मंचन होगा. जिसमें सीएम शामिल होंगे. फिर अगले दिन मुख्य दीवान में मुख्यमंत्री शामिल होंगे. इसके बाद दो जनवरी को तख्त साहिब में सजने वाले विशेष दीवान व प्रकाश पर्व में भी सीएम के साथ मंत्री शामिल होंगे.

Prabhat Khabar (Date: - 26/12/2019)

अटल जी की प्रतिमा का लोकार्पण

एसके मेमोरियल हॉल में मना राजकीय समारोह

पटना. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 25 दिसंबर को भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि दी. उनकी जयंती बुधवार को पूरे राज्य में मनायी गयी. सीएम ने पाटलिपुत्र कॉलोनी में नवनिर्मित पाटलिपुत्र पार्क में उनकी आदमकद प्रतिमा का लोकार्पण किया. मुख्यमंत्री ने इस मौके पर इस पार्क का भी उद्घाटन किया. इस मौके पर भवन निर्माण विभाग के प्रधान सचिव चंचल कुमार ने मुख्यमंत्री को प्रतीकचिह्न के रूप में स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की छोटी मूर्ति एवं पुस्तक भेंट कर उनका स्वागत किया. इस मौके पर उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, कृषि मंत्री प्रेम कुमार, पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, जल संसाधन मंत्री संजय झा आदि मौजूद थे. इससे पहले श्रीकृष्ण स्मारक परिसर में स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की राजकीय जयंती समारोह का आयोजन किया गया. इस दौरान राज्यपाल फागू चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उद्योग मंत्री श्याम रजक, सांसद रामकृपाल यादव, एमएलसी संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी व अरविंद कुमार सिंह ने स्व वाजपेयी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी.

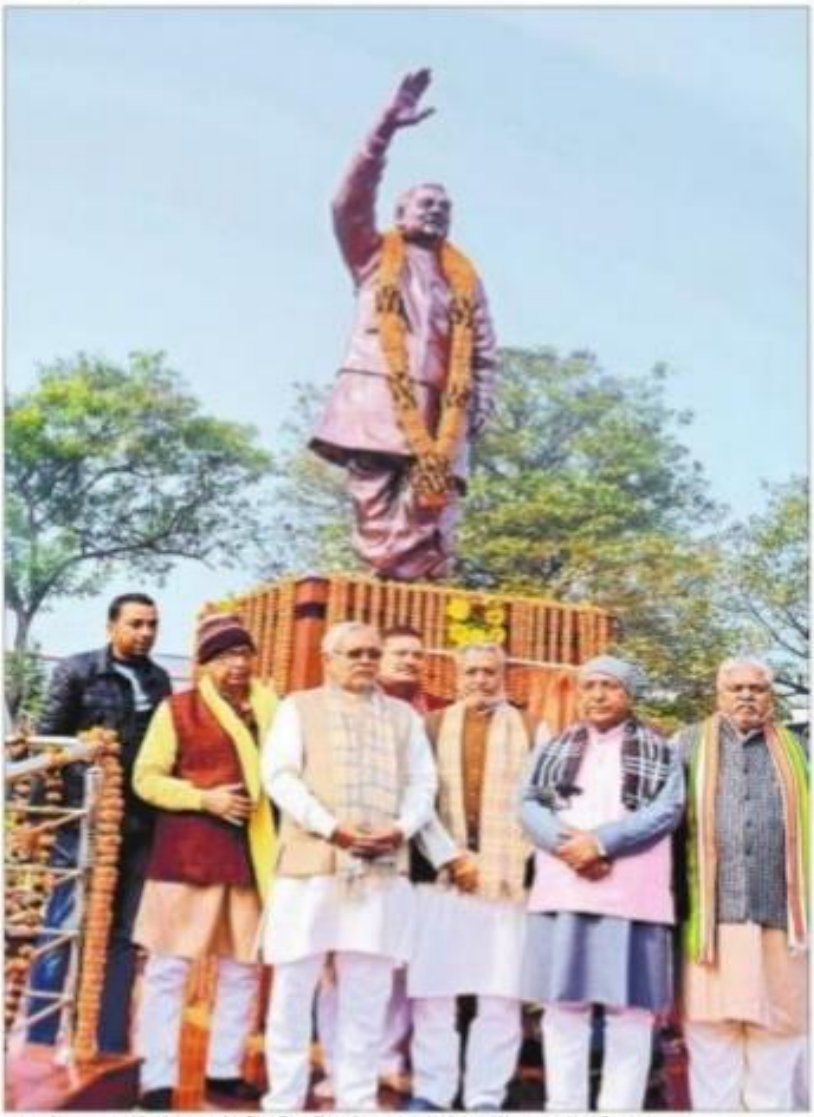

पाटलिपुत्र पार्क में वाजपेयी जी की प्रतिमा का लोकार्पण करते सीएम.

Hindustan (Date: - 26/12/2019)

पूरी दुनिया देखेगी बिहार का गौरवशाली इतिहास

उम्मीद
2020
कला संस्कृति

पटना | दीपक दक्ष

कला संस्कृति व इतिहास में रुचि रखनेवाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। वर्ष 2020 में एक साथ कई चीजें सामने आएंगी, जिसके जरिए बिहार का मान बढ़ेगा। एक तरफ बिहार अभिलेखागार दुनिया के पटल पर दिखेगा, तो दूसरी तरफ हस्तशिल्प का सबसे बड़ा संस्थान एकदम नए रूप में दिखेगा। 30 करोड़ की लागत से संस्थान की बिल्डिंग तैयार होने जा रही है।

दुनिया से रूबरू इतिहास

बिहार अभिलेखागार वर्ष 2020 में नए रूप में दिखने जा रहा है। या यूं कहिए कि एक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होने जा रहा है। जिस तरह बिहार म्यूजियम बिहार की शान बढ़ा रहा है, उसी तरह बिहार अभिलेखागार बिहार का मान बढ़ाएगा। अभिलेखागार में तेजी से डिजिटलाइजेशन कार्य हो रहा है। वेब पोर्टल से सब कुछ जोड़ा जा रहा है। फिलहाल गांधी जी से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण 175 डॉक्यूमेंट डाउनलोड कर दिए गए हैं। अभिलेखागार की 20 हजार से अधिक रेफरेंस बुक भी डाउनलोड कर दी गई हैं। फिलहाल 85 लाख से ज्यादा डॉक्यूमेंट का डिजिटलाइजेशन हो चुका है। अभिलेखागार में कुल 10 करोड़ से अधिक अभिलेख सुरक्षित हैं। वर्ष 2020 में अभिलेखागार पूरी तरह डिजिटल हो जाएगा।

हस्तशिल्प का नया संसार

उपेंद्र महारथी शिल्प संस्थान भी नए रूप में दिखेगा। 30 करोड़ की लागत से इसका नया भवन बन रहा है और जून 2020 तक तैयार हो जाएगा। मधुबनी पेंटिंग, मंजूषा कला, टिकुली कला, सिक्की कला, टेराकोटा सहित तमाम हस्तशिल्पों का प्रशिक्षण लगातार दिया जाएगा। वहीं 2020 में एक वर्षीय हस्तशिल्प डिप्लोमा कोर्स भी शुरू होने की संभावना है। यह बिहार में पहला संस्थान होगा, जहां हस्तशिल्प का डिप्लोमा कोर्स होगा।

हम गौरवशाली इतिहास और खूबसूरती के साथ दिखाएंगे। बिहार अभिलेखागार भवन तेजी से डिजिटल हो रहा है। नए साल में पूरी तरह डिजिटल हो जाएगा। करीब एक करोड़ 41 लाख की लागत से अभिलेख भवन भी नए रूप में दिखेगा।

– डॉ. महेंद्र पाल,
निदेशक, बिहार अभिलेखागार

बिहार के खूबसूरत हस्तशिल्प को हम सब नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए तत्पर हैं। नई बिल्डिंग जून तक तैयार हो जाएगी। एक-एक करोड़ की लागत से कुल 14 जगहों पर सामान सुविधा केंद्र भी बन कर तैयार हो जाएंगे।

– अशोक कुमार सिन्हा,
निदेशक, उपेंद्र महारथी शिल्प संस्थान

Hindustan (Date: - 26/12/2019)

मिथिला की संस्कृति विश्व में अनोखी

राजनगर | एक प्रतिनिधि

राजनगर में आयोजित मधुबनी लिटरेचर फेस्टिवल कार्यक्रम के दूसरे दिन कई प्रस्तुतियां हुईं। बुधवार को मिथिला संस्कृति से जुड़े कई तथ्यों को रखा गया। शुभारंभ मैथिली साहित्य की समीक्षा व मिथिलाक्षर पर परिचर्चा से हुई। प्रख्यात विद्वान पं. भवनाथ झा मुख्य रूप से इसमें शामिल हुए।

मैथिली साहित्य के उत्थान, मैथिली नाटक व रंगमंच एवं मैथिली उपन्यास की दशा व दिशा पर अपनी बात रखी। आज उसे कैसे संजोया जा सकता है इसपर बल दिया। वहीं मिथिलाक्षर पर उठे सवालों के जवाब भी दिए। उसके बाद डागर घराना के नामचीन ध्रुपद गायक पं. हरिनाथ झा ने सांस्कृतिक कार्यकम की प्रस्तुति की। उनके द्वारा प्रस्तुत भगवती गीत व मैथिली लोक गीत पर श्रोता भावविभोर हो उठे। फिर बंगलौर की बीणा सी शेषाद्री द्वारा भरत नाट्यम की प्रस्तुति हुई। दिनभर चले कार्यक्रम में दर्शकों को मिथिला क्षेत्र की बहुभाषिक पुरानी संस्कृति व दिनचर्या के कई झलक देखने को मिले। देखने के लिए दूर-दराज से काफी संख्या में लोग राजनगर पहुंच रहे थे। राजनगर के प्रांगण में हो रहे कार्यक्रम में ठंड के बाद भी लोगों की दिलचस्पी बनी हुई है। कहा कि मिथिला की संस्कृति पूरे विश्व में अनोखी है। इस भूमि से पूरे विश्व को न केवल दर्शन का ज्ञान मिला बल्कि लोक संस्कृति में भी इसकी विशेष ख्याती है।

मधुबनी लिटरेचर फेस्टिबल में ध्रुपद गायन की प्रस्तुति करते कलाकर ।

लिटरेचर फेस्टिवल

- फेस्टिवल में मिथिला संस्कृति से जुड़े तथ्यों को रखा गया
- भगवती गीत व मैथिली गीत पर श्रोता हुए भाव विभोर